# ॥ आरती श्री गुरु देव जी की ॥
# Aarti Shri Guru Dev Ji Ki

जय गुरुदेव दयानिधि दीनन हितकारी, स्वामी भक्तन हितकारी ।
जय जय मोह विनाशक भव बंधन हारी ॥
ॐ जय जय जय गुरुदेव ।

ब्रह्मा विष्णु सदा शिव, गुरु मूरति धारी,
वेद पुराण बखानत, गुरु महिमा भारी । ॐ जय ।

जप तप तीरथ संयम दान बिबिध दीजै,
गुरु बिन ज्ञान न होवे, कोटि जतन कीजै । ॐ जय ।

माया मोह नदी जल जीव बहे सारे,
नाम जहाज बिठा कर गुरु पल में तारे । ॐ जय ।

काम क्रोध मद मत्सर चोर बड़े भारे,

ज्ञान खड्ग दे कर में, गुरु सब संहारे । ॐ जय ।

नाना पंथ जगत में, निज निज गुण गावे,
सबका सार बताकर, गुरु मारग लावे । ॐ जय ।

पाँच चोर के कारण, नाम को बाण दियो,
प्रेम भक्ति से सादा, भव जल पार कियो । ॐ जय ।

गुरु चरणामृत निर्मल सब पातक हारी,
बचन सुनत तम नाशे सब संशय हारी । ॐ जय ।

तन मन धन सब अर्पण गुरु चरणन कीजै,
ब्रह्मानंद परम पद मोक्ष गति लीजै । ॐ जय ।

श्री सतगुरुदेव की आरती जो कोई नर गावै,
भव सागर से तरकर, परम गति पावै । ॐ जय ।

जय गुरुदेव दयानिधि दीनन हितकारी, स्वामी भक्तन हितकारी ।
जय जय मोह विनाशक भव बंधन हारी ॥
ॐ जय जय जय गुरुदेव ।

**॥ इति आरती श्री गुरु देव जी सम्पूर्णम ॥**

allastrologysolutions.com